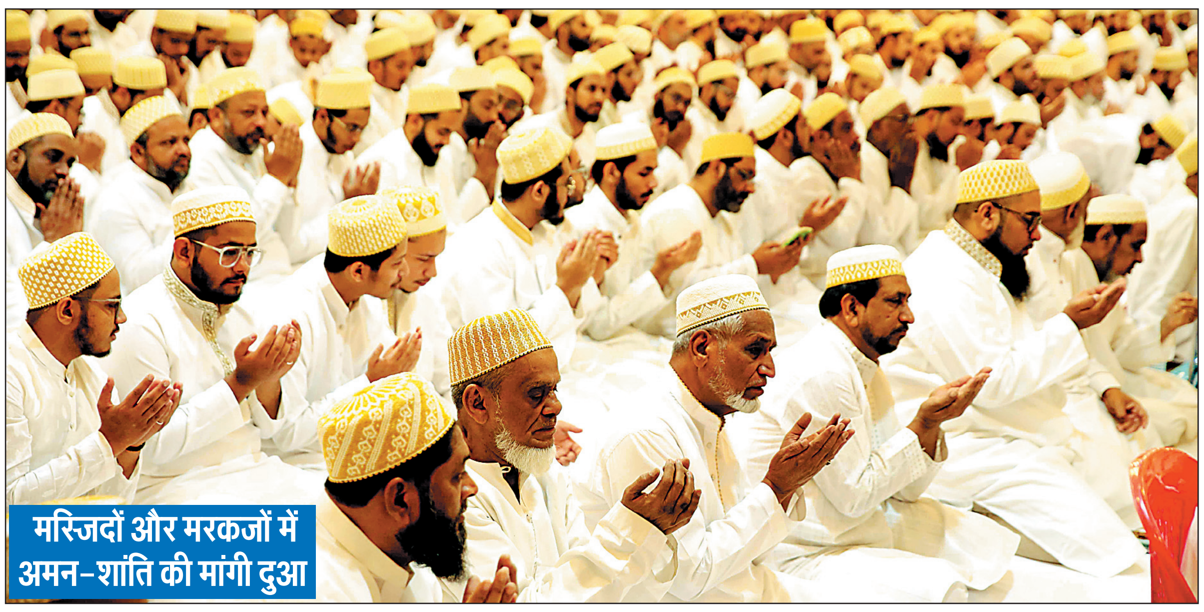

मस्जिदों और मरकजों में अमन-शांति की मांगी दुआ

# बोहरा समाज ने अदा की ईद की नमाज

**भोपाल, 19 मार्च. राजधानी भोपाल में बोहरा समाज ने ईद का पर्व सादगी और आस्था के साथ मनाया. इस दौरान शहर की विभिन्न मस्जिदों और मरकजों में नमाज अदा कर अमन-शांति और खुशहाली की दुआ की गई.**

गुरुवार सुबह से ही भोपाल के नूर महल मरकज, अलीगंज मस्जिद, करोंद स्थित बुरहानी मस्जिद, सोफिया कॉलेज परिसर की बद्री मस्जिद, कोहफिजा मरकज, कब्रस्तान स्थित अहमदी मस्जिद और मालीपुरा की हुसैनी मस्जिद में समाजजन बड़ी संख्या में एकत्रित हुए और नमाज अदा की.

बोहरा समाज के इब्राहिम अली दाऊद ने बताया कि अलीगंज मस्जिद में जनाब इब्दे मदियान की मौजूदगी में नमाज अदा की गई, जबकि शहर के अन्य क्षेत्रों में भी वरिष्ठ समाजजनों के मार्गदर्शन में धार्मिक कार्यक्रम संपन्न हुए. नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को ईद की मुबारकबाद दी और भाईचारे व सौहार्द का संदेश दिया. ईद के इस पूरे आयोजन में सादगी और अनुशासन का विशेष ध्यान रखा गया.

# नववर्ष, नवरात्रि शुरू : मंदिरों में उमड़ी भीड़

**भोपाल, 19 मार्च. भोपाल शहर में भारतीय नववर्ष विक्रम संवत 2083 और चैत्र नवरात्रि के प्रथम दिवस पर गुरुवार सुबह से मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और पूजा-अर्चना का सिलसिला शुरू हुआ.**

श्रद्धालुओं ने नवरात्रि के पहले दिन मां शैलपुत्री की विधि-विधान से आराधना करते हुए घट स्थापना की, जवारे बोए और अखंड ज्योति प्रज्ज्वलित कर नववर्ष का स्वागत किया. शहर के विभिन्न मंदिरों में भक्ति और उल्लास का वातावरण देखने को मिला. वहीं जाटखेड़ी स्थित श्री शिव नारायण मंदिर में नव संवत्सर का स्वागत सूर्य दर्शन और शंखनाद के साथ किया गया. मराठी सांस्कृतिक मंडल श्री गणेश मंदिर में 32 फीट ऊंची गुड़ी स्थापित की गई. एमपी नगर स्थित गायत्री शक्तिपीठ में साधकों द्वारा सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर वर्षारंभ किया गया, अरेरा कॉलोनी स्थित दत्त मंदिर में नवीन ध्वज चढ़ाने की परंपरा निभाई गई.

## नेहरू नगर में निकली शोभायात्रा

हिंदू नववर्ष के शुभारंभ पर नेहरू नगर में शोभायात्रा शबरी तिराहा से निकाली गई, जो नेहरू नगर चौराहा पहुंची. इस दौरान आतिशबाजी की गई. शोभायात्रा में श्रद्धालु भगवा ध्वज लेकर जयकारे लगाते हुए चल रहे थे. शोभायात्रा में राजेन्द्र राठौड़, लवलेश तिवारी, राजेश हिरवे, आलोक श्रीवास्तव, विक्रम सोनी, विकास शर्मा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल थे. सृष्टि जनकल्याण समिति के अध्यक्ष महेन्द्र दवे ने सभी लोगों का आभार व्यक्त किया.

इधर साकेत नगर में नवरात्र और हिंदू नववर्ष के शुभारंभ पर अटल बिहारी वाजपेयी खेल मैदान से चल समारोह निकाला गया, जिसका समापन भारत माता पार्क में हुआ.

**दादाजी धाम मंदिर में अखंड दीप प्रज्वलित** : रायसेन रोड पटेल नगर स्थित दादाजी धाम मंदिर में नवरात्रि के प्रथम दिवस मातारानी के प्रथम स्वरूप मां शैलपुत्री की पूजा-अर्चना की गई. बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने अखंड दीप प्रज्वलित किए गए. मंदिर को आकर्षक विद्युत सज्जा से सजाया गया है. नववर्ष के शुभारंभ पर श्रद्धालुओं द्वारा सूर्य भगवान को अर्घ्य अर्पित किया गया.

# हाउसिंग बोर्ड का आवास मेला आज से

▸ पर्यावास भवन में दो दिन लगेगा आवास मेला

**भोपाल, 19 मार्च. एमपी हाउसिंग बोर्ड नवरात्र के अवसर पर दो दिन का आवास मेला आयोजित कर रहा है. पर्यावास भवन में आयोजित यह मेला 20-21 मार्च को लगेगा. हाउसिंग बोर्ड की सभी प्रॉपर्टी की यहां जानकारी मिलेगी. साथ ही संपत्ति की बुकिंग होगी.**

मेले में भोपाल की सभी नई और पुरानी प्रॉपर्टी की जानकारी एक छत के नीचे मिलेगी. मेले में फ्री साइट विजिट की सुविधा और फ्री में बुकिंग फॉर्म भरने की सुविधा भी रहेगी. आवास मेले में हाउसिंग बोर्ड अपने सभी आने वाले प्रोजेक्ट की भी जानकारी उपलब्ध कराएगा. बोर्ड देवकीनगर, बैरसिया रोड, करोंद में 10 एकड़ में प्लॉट का प्रोजेक्ट ला रहा है. वहीं अयोध्या नगर में डुप्लेक्स, ट्रिप्लेक्स, फ्लैट के 5 नये प्रोजेक्ट आने वाले हैं. इस तरह के सभी प्रोजेक्ट की जानकारी मेले में मिलेगी. कटारा हिल्स में सफायर पार्क सिटी प्रोजेक्ट में बोर्ड 34 एकड़ में आवासीय प्लॉट का प्रोजेक्ट लाया है. इस प्रोजेक्ट में बुकिंग चल रही है. इसमें अलग-अलग साइज के 186 प्लॉट रखे गये हैं. 1300 स्कॉवयर फीट से लेकर 7000 स्कॉयर फीट तक के 5 साइज के प्लॉट हैं. इस प्रोजेक्ट में एसटीपी से लेकर अंडरग्राउंड बिजली के तार तक सभी आधुनिक सुविधायें होंगी. अयोध्या एक्सटेंशन में सुरम्य परिसर और लवकुश हाईट्स फ्लैट्स के प्रोजेक्ट निर्माणाधीन हैं. सुरम्य परिसर में 250 फ्लैट बन रहे हैं बुकिंग चालू है. लवकुश हाईट्स में भी निर्माण और बुकिंग चल रही है. खजूरीकलां फेज -2 में 147 डुप्लेक्स और ट्रिप्लेक्स घरों में भी बुकिंग चल रही है. इन सभी की बुकिंग मेले में होगी.

**आवास मेले में उपलब्ध होंगी ये सुविधाएं**

- फ्री साइट विजिट
- ऑन द स्पॉट होम लोन
- तत्काल बुकिंग सुविधा
- प्रोजेक्ट की सभी जानकारी एक जगह

**भगवान झूलेलाल की जयंती पर निकली शोभायात्रा**

**भोपाल, 19 मार्च.** भगवान झूलेलाल की जयंती की पूर्व संध्या पर गुरुवार को सिंधी समाज ने न्यू मार्केट में जुलूस निकाला, जिसमें विधायक भगवान दास सबनानी सहित बड़ी संख्या में नागरिक शामिल हुए.

## पं. याज्ञिक रवीन्द्र भवन में देंगे सुंदरकांड की प्रस्तुति

**भोपाल, 19 मार्च. रवीन्द्र भवन के मुक्ताकाश मंच पर 26 अप्रैल को पंडित अजय याज्ञिक नई दिल्ली द्वारा सुंदरकांड की प्रस्तुति दी जाएगी. इस आयोजन की तैयारी के संबंध में श्रीबाबूलाल भगवती सोनी ट्रस्ट की बैठक हुई.**

ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रदीप मिलन एवं सचिव प्रमोद नेमा ने बताया बैठक में कार्यक्रम की व्यवस्थाओं के लिए सभी को जिम्मेदारी सौंपने के बारे में विस्तृत चर्चा हुई. वरिष्ठ सदस्य गोविंद बंसल ने पांच हजार सुंदरकांड की टीका एवं हनुमान चालीसा की छोटी टीका नि:शुल्क सभी धर्म प्रेमियों को देने प्रस्ताव रखा, जिसका सभी ने समर्थन किया. संरक्षक अशोक गुप्ता ने अगली बैठक में सभी कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपने का सुझाव रखा.

## पांच दिवसीय समर नाट्य उत्सव 22 से

**भोपाल, 19 मार्च.** कबीला सोसायटी फॉर परफॉर्मिंग आर्ट्स द्वारा 22 मार्च से पांच दिवसीय 'समर नाट्य उत्सव 2026' का आयोजन दुष्यंत संग्रहालय में किया जा रहा है. उत्सव के संयोजक अनिमेष श्रीवास्तव ने बताया कि यह उत्सव जबलपुर के वरिष्ठ रंगकर्मी स्व. समर सेनगुप्ता की स्मृति को समर्पित है, जिनकी रंगदृष्टि ने नाट्यकला को समाज से जोड़ने का कार्य किया.

# आंगन, छतों और घरों में लौट रही गौरेया की चहचहाहट

**साक्षी केसरवानी**

**भोपाल, 20 मार्च. कभी घर, आंगन और छत की पहचान रही गौरैया बीते 15 सालों में भोपाल शहर सहित देश के हर शहरी क्षेत्र से लगभग गायब सी हो गई थी. लेकिन अब तस्वीर बदलने लगी है.**

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की एक रिपोर्ट के अनुसार देशभर में 15.73 प्रतिशत संख्या के साथ गौरैया (हाउस स्पैरो) तीसरी सबसे अधिक पाई जाने वाली प्रजाति है. वहीं सबसे अधिक कौवा (हाउस क्रो) 20.72 प्रतिशत और मैना (कॉमन मैना) 17.68 प्रतिशत के साथ देश में दूसरी सबसे अधिक संख्या वाला पक्षी है. जबकि मध्यप्रदेश में गौरैया 6.1 प्रतिशत की संख्या के साथ रेड वेटेड बुलबुल के बाद दूसरे नंबर है.

**विश्व गौरैया दिवस आज**

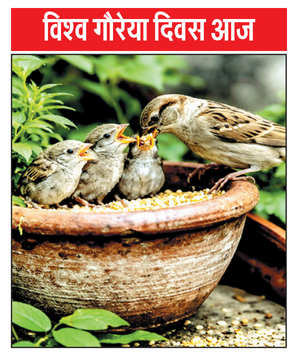

**क्यों कम हुई गौरैया :** प्रभारी वैज्ञानिक, क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञान केंद बिनिश रफत ने बताया कि शहरीकरण, कंक्रीट के मकान, खुली जगहों की कमी और भोजन के स्रोतों में गिरावट गौरैया के कम होने के प्रमुख कारण हैं. पहले घरों की छतों और दीवारों में छोटे छेद, आंगन और पेड़ होते थे जहां गौरैया आसानी से घोंसला बना लेती थी, लेकिन आधुनिक निर्माण में यह स्थान खत्म हो गए हैं. वहीं कीटनाशकों के बढ़ते उपयोग से उनके भोजन में भी कमी आई है. विशेषज्ञों के अनुसार पिछले कुछ वर्षों में किए गए प्रयासों के चलते पुराने भोपाल, मिसरोद, एक्सटेंशन वाली कॉलोनी, बागसुमुलिया, कोलार, टीटी नगर, चार इमली जैसे कई क्षेत्रों में गौरैया की संख्या में 40 से 50 प्रतिशत वृद्धि हुई है.

# मनीष बादल को लखनऊ में मिला 'सुंदरम् साहित्य रत्न सम्मान'

**भोपाल, 19 मार्च.** लखनऊ (उत्तर प्रदेश) की साहित्यिक संस्था, सुंदरम् साहित्य संस्थान द्वारा वर्ष 2026 का प्रतिष्ठित 'सुंदरम् साहित्य रत्न सम्मान' भोपाल के वरिष्ठ साहित्यकार एवं मध्यप्रदेश लेखक संघ के प्रादेशिक सचिव मनीष बादल को उनके साहित्यिक अवदान को देखते हुए प्रदान किया गया. 16 मार्च की संध्या लखनऊ के रवीन्द्रालय प्रांगण में लगे 'लखनऊ पुस्तक मेला' में आयोजित वार्षिक सम्मान समारोह में मनीष बादल को मोमेंटो, सम्मान पत्र, सम्मान राशि एवं शॉल प्रदान करते हुए संस्था के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेंद्र भूषण श्रीवास्तव ने बताया कि विगत कई वर्षों से साहित्य एवं अन्य क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान करने वाले देश के कुछ विभूतियों का चयन किया जाता है एवं उन्हें अलग-अलग वर्ग में सम्मान दिये जाते हैं. इस कड़ी में साहित्य के अलावा चिकित्सा एवं अन्य क्षेत्र की हस्तियों को भी सम्मानित किया गया. सम्मान समारोह के बाद रचनाकारों द्वारा काव्य पाठ भी किया गया. बादल ने अपने चिर-परिचित अंदाज़ में दोहे प्रस्तुत किए.

# नाटक मध्यांतर में दिखाया ठहरे रिश्तों का सच

**नवभारत प्रतिनिधि**

**भोपाल, 19 मार्च.** भारत भवन में गुरुवार को नाटक मध्यांतर का आद्या समारोह के तहत एकरंग सोश्यो कल्चरल सोसायटी के कलाकारों ने मंचन किया. इस नाटक का लेखन जयवर्धन और निर्देशन विभा श्रीवास्तव ने किया. ज्ञान एक ड्रामा टीचर है जो संतान सुख से वंचित है. उसकी पत्नी छाया एक रंगकर्मी होने के साथ रिश्ते को बचाए रखने की कोशिश करती है. तीसरा पात्र जयंत लेखक है जो अपनी अधूरी कहानी को पूरा करने छाया की मदद चाहता है. ज्ञान पर दूसरी शादी का सामाजिक दबाव बढ़ता है और एक दुर्घटना के बाद वह अपना पुरुषत्व खो देता है. उसका आत्मविश्वास डगमगाने लगते हैं. इसी बिंदु पर छाया का चरित्र सबसे मजबूत रूप में उभरता है. वह मातृत्व की इच्छा से ऊपर उठकर अपने रिश्ते को चुनती है. तलाक के कागज फाड़ने का दृश्य दर्शकों के भीतर गहरी छाप छोड़ जाता है.

# रिश्तों की चटकन पर उठाए सवाल

**नवभारत प्रतिनिधि**

**भोपाल, 19 मार्च.** रंगश्री लिटिल बैले ट्रुप सभागार में गुरुवार शाम एक स्त्री की टूटी हुई आवाज गूंजी, कि क्या सच में मैं तुम्हें जानती थी. इसी सवाल के साथ नाटक बिखरे अक्स ने दर्शकों को रिश्तों की परतों में उतरना शुरू कर दिया. कीर्ति बैले एंड परफार्मिंग आर्ट्स द्वारा आयोजित धरोहर महोत्सव के पहले दिन प्रस्तुत इस नाटक का निर्देशन श्रद्धा शालिनी मालवीय ने किया. कहानी एक ऐसे मोड़ से शुरू होती है जहां पति की अचानक मौत के बाद पत्नी अपने अतीत को समेटने की कोशिश कर रही होती है. तभी उसके घर पहुंचती है एक और स्त्री, जो उसी पुरुष को अपना प्रेम मानती रही. संवादों के बीच धीरे-धीरे खुलती परतें यह एहसास कराती हैं कि रिश्ते सिर्फ साथ बिताए समय से नहीं, बल्कि छिपे हुए सच से भी बनते और टूटते हैं. यह प्रस्तुति सिर्फ एक प्रेम त्रिकोण की कहानी नहीं बल्कि आधुनिक रिश्तों की जटिल सच्चाई को सामने लाती दिखी.